وَإِذۡ قَالَتِ ٱلۡمَلَٰٓئِكَةُ يَٰمَرۡيَمُ إِنَّ ٱللَّهَ ٱصۡطَفَىٰكِ وَطَهَّرَكِ
وَٱصۡطَفَىٰكِ عَلَىٰ نِسَآءِ ٱلۡعَٰلَمِينَ ٤٢ يَٰمَرۡيَمُ ٱقۡنُتِي لِرَبِّكِ
وَٱسۡجُدِي وَٱرۡكَعِي مَعَ ٱلرَّٰكِعِينَ ٤٣ ذَٰلِكَ مِنۡ أَنۢبَآءِ ٱلۡغَيۡبِ
نُوحِيهِ إِلَيۡكَۚ وَمَا كُنتَ لَدَيۡهِمۡ إِذۡ يُلۡقُونَ أَقۡلَٰمَهُمۡ أَيُّهُمۡ
يَكۡفُلُ مَرۡيَمَ وَمَا كُنتَ لَدَيۡهِمۡ إِذۡ يَخۡتَصِمُونَ ٤٤ إِذۡ قَالَتِ
ٱلۡمَلَٰٓئِكَةُ يَٰمَرۡيَمُ إِنَّ ٱللَّهَ يُبَشِّرُكِ بِكَلِمَةٖ مِّنۡهُ ٱسۡمُهُ ٱلۡمَسِيحُ
عِيسَى ٱبۡنُ مَرۡيَمَ وَجِيهٗا فِي ٱلدُّنۡيَا وَٱلۡأٓخِرَةِ وَمِنَ ٱلۡمُقَرَّبِينَ
٤٥ وَيُكَلِّمُ ٱلنَّاسَ فِي ٱلۡمَهۡدِ وَكَهۡلٗا وَمِنَ ٱلصَّٰلِحِينَ ٤٦
قَالَتۡ رَبِّ أَنَّىٰ يَكُونُ لِي وَلَدٞ وَلَمۡ يَمۡسَسۡنِي بَشَرٞۖ قَالَ
كَذَٰلِكِ ٱللَّهُ يَخۡلُقُ مَا يَشَآءُۚ إِذَا قَضَىٰٓ أَمۡرٗا فَإِنَّمَا يَقُولُ لَهُۥ
كُن فَيَكُونُ ٤٧ وَيُعَلِّمُهُ ٱلۡكِتَٰبَ وَٱلۡحِكۡمَةَ وَٱلتَّوۡرَىٰةَ
وَٱلۡإِنجِيلَ ٤٨ وَرَسُولًا إِلَىٰ بَنِيٓ إِسۡرَٰٓءِيلَ أَنِّي قَدۡ جِئۡتُكُم
بِـَٔايَةٖ مِّن رَّبِّكُمۡ أَنِّيٓ أَخۡلُقُ لَكُم مِّنَ ٱلطِّينِ كَهَيۡـَٔةِ ٱلطَّيۡرِ
فَأَنفُخُ فِيهِ فَيَكُونُ طَيۡرَۢا بِإِذۡنِ ٱللَّهِۖ وَأُبۡرِئُ ٱلۡأَكۡمَهَ
وَٱلۡأَبۡرَصَ وَأُحۡيِ ٱلۡمَوۡتَىٰ بِإِذۡنِ ٱللَّهِۖ وَأُنَبِّئُكُم بِمَا تَأۡكُلُونَ
وَمَا تَدَّخِرُونَ فِي بُيُوتِكُمۡۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَأٓيَةٗ لَّكُمۡ إِن
كُنتُم مُّؤۡمِنِينَ ٤٩ وَمُصَدِّقٗا لِّمَا بَيۡنَ يَدَيَّ مِنَ ٱلتَّوۡرَىٰةِ
وَلِأُحِلَّ لَكُم بَعۡضَ ٱلَّذِي حُرِّمَ عَلَيۡكُمۡۚ وَجِئۡتُكُم بِـَٔايَةٖ
مِّن رَّبِّكُمۡ فَٱتَّقُواْ ٱللَّهَ وَأَطِيعُونِ ٥٠ إِنَّ ٱللَّهَ رَبِّي وَرَبُّكُمۡ

فَٱعۡبُدُوهُۚ هَٰذَا صِرَٰطٞ مُّسۡتَقِيمٞ ٥١ ۞ فَلَمَّآ أَحَسَّ عِيسَىٰ
مِنۡهُمُ ٱلۡكُفۡرَ قَالَ مَنۡ أَنصَارِيٓ إِلَى ٱللَّهِۖ قَالَ ٱلۡحَوَارِيُّونَ
نَحۡنُ أَنصَارُ ٱللَّهِ ءَامَنَّا بِٱللَّهِ وَٱشۡهَدۡ بِأَنَّا مُسۡلِمُونَ ٥٢ رَبَّنَآ
ءَامَنَّا بِمَآ أَنزَلۡتَ وَٱتَّبَعۡنَا ٱلرَّسُولَ فَٱكۡتُبۡنَا مَعَ
ٱلشَّٰهِدِينَ ٥٣ وَمَكَرُواْ وَمَكَرَ ٱللَّهُۖ وَٱللَّهُ خَيۡرُ ٱلۡمَٰكِرِينَ ٥٤

Theme	
	अल्लाह तआला ने मरयमؑ को अपनी ख़िदमत के लिए मुन्तख़ब फ़रमाया और उन्हें दुनिया की तमाम औरतों पर फ़ज़ीलत अता फ़रमाई। अल्लाह तआला ने मरयमؑ को ईसाؑ नामी एक अज़ीमुल-मर्तबत बेटा अता फ़रमाया। ईसा इब्न-ए-मरयमؑ की पैदाइश। ईसाؑ को अता किए गए मोजज़ात। ईसाؑ के पैरौकार भी मुसलमान कहलाए। ईसाؑ को क़त्ल करने की साज़िश।
Tarjumani	
There came the time when angels said: "O Maryam! Surely, Allah has exalted you, purified you, and preferred you for His service over all the women of the worlds. O Maryam! Be obedient to your	फिर वह वक़्त आया जब मरयम से फरिश्तों ने आकर कहा, "ऐ मरयम, अल्लाह ने तुझे बरगुजीदा किया और पाकीज़गी अता की और तमाम दुनिया की औरतों पर तुझको तरजीह देकर अपनी ख़िदमत के लिए चुन

Rabb, prostrate and bow down in worship with other worshippers." Muhammad, this is the news from the Unseen which We are revealing to you. You were not present with them when priests of the temple cast their pens to decide which of them should be the guardian of Maryam; nor were you with them when they argued about it. When the angels said "O Maryam! Allah gives you the good news with a Word from Him that you will be given a son: his name will be Al-Maseeh (Messiah), Isa (Jesus Christ), the son of Maryam. He will be noble in this world and the Hereafter; and he will be from those who are very close to Allah. He will speak to the people in the cradle and in his maturity and he will be among the righteous." Hearing this, Maryam said, "O my Rabb! How can I have a son when no man has ever touched me?" He replied, "Even so, Allah creates however He wants; whenever	लिया | ऐ मरयम, अपने रब की ताबे-फ़रमान बनकर रह, उसके आगे सर-ब-सुजूद हो, और जो बन्दे उसके हुज़ूर झुकनेवाले हैं उनके साथ तू भी झुक जा |" ऐ नबी, ये गैब की ख़बरें हैं जो हम तुमको वहय के ज़रीए से बता रहे हैं, वरना तुम उस वक़्त कहाँ मौजूद न थे जब हैकल के ख़ादिम यह फ़ैसला करने के लिए कि मरयम का सरपरस्त कौन हो अपने-अपने कलम फ़ेक रहे थे, और न तुम उस वक़्त हाज़िर थे जब उनके दरमियान झगड़ा बरपा था | और जब फरिश्तों ने कहा, "ऐ मरयम, अल्लाह तुझे अपने एक फ़रमान की खुशखबरी देता है | उसका नाम मसीह ईसा इब्ने-मरयम होगा, दुनिया और आख़िरत में मुअज्ज़ होगा, अल्लाह के मुकर्रब बन्दों में शुमार किया जाएगा, लोगों से गहवारे में भी कमाल करेगा और बड़ी उम्र को पहुँचकर भी, और वह एक मर्दे-सालेह होगा |" यह सुनकर मरयम बोली, "परवरदिगार मेरे यहाँ बच्चा कहाँ से होगा, मुझे तो किसी मर्द ने हाथ तक नहीं लगाया |" जवाब मिला, "ऐसा ही होगा, अल्लाह जो चाहता है पैदा करता है | वह जब किसी काम के करने का फ़ैसला फ़रमाता है तो बस कहता है कि हो

He decides to do anything, He only says to it, 'Be, and it is! Allah will teach your son the Book, the Wisdom, the Tawrât (Torah), and the Injeel (Gospel) and send him forth as a Rasool to the Children of Israel with this message: 'I have brought you signs of my appointment from your Rabb. I shall make for you the likeness of a bird from clay; I shall breathe into it and, with Allah's leave, it will become a living bird. I shall heal him who was born blind and the leper, and raise the dead to life, by Allah's leave. Furthermore, I will tell you what you have eaten and what you have stored in your houses. Surely, these are the signs to convince you, if you are believers. I am appointed to confirm that which is before me from the Tawrat (Torah) and to make lawful to you some of the things forbidden to you. I have brought you the signs from your Rabb, therefore, fear Allah and obey me. In fact, Allah is my Rabb	जा और वह हो जाता है |" (फरिश्तों ने फिर अपने सिलसिलए-कलाम में कहा) "और अल्लाह उसे किताब और हिकमत की तालीम देगा, तौरात और इंजील का इल्म सिखएगा और बनी-इसराईल की तरफ़ अपना रसूल मुकर्रर करेगा |" (और जब वह बहैसियते-रसुल बनी-इसराईल के पास आया तो उसने कहा,) "मैं तुम्हारे रब की तरफ़ से तुम्हारे पास निशानी लेकर आया हूँ | मैं तुम्हारे सामने मिट्टी से परिन्दे की सूरत का एक मुज़स्सामा बनाता हूँ और उसमें फूँक मारता हूँ, वह अल्लाह के हुक्म से परिन्दा बन जाता है | मैं अल्लाह के हुक्म से मादरजाद अन्धे और कोढ़ी को अच्छा करता हूँ और उसके इज़्न से मुर्दे को ज़िन्दा करता हूँ | मैं तुम्हें बताता हूँ कि तुम क्या खाते हो और क्या अपने घरों में ज़खीरा करके रखते हो | इसमें तुम्हारे लिए काफ़ी निशानी है अगर तुम ईमान लानेवाले हो | और मैं उस तालीम व हिदायत की तसदीक करनेवाला बनकर आया हूँ जो तौरात में से इस वक़्त मेरे ज़माने में मौजूदा है | और इसलिए आया हूँ की तुम्हारे लिए बाज़ उन चीज़ों को हलाल कर दूँ जो तुमपर हराम कर दी गई हैं | देखो, मैं तुम्हारे

as well as your Rabb, therefore, worship Him; this is the Right Way." When Isa (Jesus) found out that they (most of the children of Israel) had no faith, he asked: "Who will help me in the cause of Allah?" The Disciples replied: "We will help you in the cause of Allah. We believe in Allah. Be our witness that we are Muslims." Then they invoked Allah and said: "Our Rabb! We believe in what you have revealed and we follow Your Rasool. Please count us with those who bear witness." The unbelievers plotted to kill Isa and Allah also devised a plan to raise him up, and Allah is the best in planning.	रब की तरफ़ से तुम्हारे पास निसानी लेकर आया हूँ, लिहाज़ा अल्लाह से डरो और मेरी इताअत करो। अल्लाह मेरा रब भी है और तुम्हारा रब भी, लिहाज़ा तुम उसी की बन्दगी इख़तियार करो, यही सीधा रास्ता ह।" जब ईसा ने महसूस किया कि बनी-इसराईल कुफ़्र व इनकार पर आमादा हैं तो उसने कहा, "कौन अल्लाह की राह में मेरा मददगार होता है?" हवारियों ने ज़वाब दिया, "हम अल्लाह के मददगार हैं, हम अल्लाह पर ईमान लाए, आप गवाह रहें कि हम मुसलिम (अल्लाह के आगे सरे-इताअत झुका देनेवाले) हैं। मालिक, जो फ़रमान तूने नाज़िलकिया है हमने उसे मान लिया और रसूल की पैरवी कबूल की, हमारा नाम गवाही देनेवालों में लिख लें।" फिर बनी इसराईल (मसीह के ख़िलाफ़) ख़ुफ़िया तदबीरें करने लगे। जवाब में अल्लाह ने भी अपनी ख़ुफ़िया तदबीर की और ऐसी तदबीरों में अल्लाह सबसे बढ़कर है।
Tafsir	